ST. ALOYSIUS COLLEGE(AUTONOMOUS), JABALPUR

Reaccredited 'A+ 'Grade by NAAC(CGPA:3.68/4.00)
College with Potential for Excellence by UGC
DST-FIST Supported & STAR College Scheme by DBT

कला संकाय

कला स्नातक (बी.ए.)

विषय: प्रयोजनमूलक हिंदी

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – I : कोर कोर्स /मेजर माईनर

प्रयोजनमूलक हिंदी : परिचय एवं विविध रूप

पाठ्यक्रम परिणाम

क्रमांक	पाठ्यक्रम परिणाम	संज्ञानात्मक स्तर
CO-1	विद्यार्थी हिंदी के परंपरागत अध्ययन और साहित्यिक हिंदी से इतर हिंदी के प्रयोजनमूलक और व्यावहारिक पक्ष को सरलता से समझ सकेगा।	R
CO-2	दैनिक जीवन के विविध क्षेत्रों – शिक्षा, व्यवसाय, प्रशासन, विधि एवं कला जगत में प्रयुक्त होने वाले हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान विद्यार्थी को हो सकेगा।	U
CO-3	भारत में राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर और त्रिभाषा सूत्र को विद्यार्थी भली-भांति समझ सकेगा।	An
CO-4	हिंदी प्रयोग में होने वाली अशुद्धियों के सुधार का अभ्यास होगा जिससे विद्यार्थी का शुद्ध हिंदी लिखने का अभ्यास बढ़ेगा।	C
CO-5	पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होकर विद्यार्थी उचित पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग कर अपनी व्यावसायिक हिंदी को परिष्कृत कर सकेगा।	Ap

क्रेडिट एवं अंक योजना

	क्रेडिट	अंक		पूर्णांक
		आंतरिक	बाह्य	
सैद्धांतिक	6	40	60	**100**
कुल	**6**	**100**		

ST. ALOYSIUS COLLEGE(AUTONOMOUS), JABALPUR

Reaccredited 'A+ 'Grade by NAAC(CGPA:3.68/4.00)
College with Potential for Excellence by UGC
DST-FIST Supported & STAR College Scheme by DBT

मूल्यांकन योजना

	Marks	
	आंतरिक	**बाह्य**
सैद्धांतिक	20 अंक के 03 आंतरिक मूल्यांकन (सेमेस्टर के दौरान) (दो श्रेष्ठ का चयन)	1 बाह्य परीक्षा (सेमेस्टर के अंत में)

पाठ्यक्रम की सामग्री

सैद्धांतिक

व्याख्यानों की संख्या (प्रति सप्ताह घंटों में): 6 घंटे प्रति सप्ताह

व्याख्यानों की कुल संख्या: 90 घंटे. **अधिकतम अंक:** 60

इकाई	विषय	व्याख्यानों की कुल संख्या

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
इकाई 1	प्रयोजनमूलक हिंदी –अर्थ, स्वरूप, नामकरण एवं परिभाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएं एवं महत्व, प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप	18
इकाई 2	प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोगक्षेत्र – शिक्षा व प्रशासन के क्षेत्र में व्यवसाय के क्षेत्र में कला के क्षेत्र में	18
इकाई 3	**राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति** राजभाषा का स्वरूप एवं परिभाषा राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर, संपर्क भाषा,	18

	त्रिभाषा सूत्र – परिचय, आवश्यकता एवं महत्व	
इकाई 4	भाषा का अर्थ एवं परिभाषा हिंदी का मानक रूप एवं विशेषताएँ भाषा की अशुद्धियों के प्रकार एवं सुधार	18
इकाई 5	पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं विशेषताएं. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की आवश्यकता एवं महत्व. विविध क्षेत्रों विज्ञान, प्रशासनिक एवं विधि में प्रयुक्त होने वाले पारिभाषिक शब्द. (50 शब्द)	18

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रंथ/ अन्य पाठ संसाधन/ पाठ सामग्री:

पाठ पुस्तकें -

- अंडाल डॉ. प.प., प्रशासनिक हिंदी प्रयोग और संभावनाएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2007
- कुलश्रेष्ठ, अरविंद, राजभाषा नीति, संपादक कृष्ण कुमार गोस्वामी, केंद्रीय हिंदी संस्थान नई दिल्ली
- गुप्ता, गार्गी, पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा, संपा., भारतीय अनुवाद परिषद नई दिल्ली, 1986
- गोदरेज, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
- झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010
- टंडन, प्रो पूरनचंद, आजीविका साधक हिंदी, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली 1998
- तिवारी भोलानाथ एवं श्रीवास्तव रवींद्रनाथ, व्यावहारिक हिंदी सरलीकरण विशेषज्ञ समिति मधुर वाणी प्रकाशन दिल्ली
- **अरासू, रेव. डॉ. फा. जी. वलन, शुक्ल, अभिलाषा, हिंदी सर्वत्र विद्यते, विश्व हिंदी साहित्य परिषद दिल्ली, संस्करण 2020"**
- **"शुक्ल डॉ. अभिलाषा, अरासू, रेव. डॉ, जी, वलन, हिंदी के विविध आयाम, विश्रु विश्व हिंदी साहित्य परिषद, दिल्ली, संस्करण 2020"**
- **"शुक्ल डॉ. अभिलाषा, अरासू, रेव, डॉ. जी वलन, विविध रूपा हिंदी, विश्व हिंदी साहित्य परिषद, दिल्ली संस्करण 2021"**